बाल विवाह समाप्त करने में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण

ब्रेकथ्रू ने मीडिया के साथ आयोजित की परिचर्चा

रांची,23 फ़रवरी 2017, मानवाधिकार और महिला मुद्दों पर काम करने वाली संस्था ब्रेकथ्रू ने आज मीडिया कर्मियों के साथ बाल विवाह के मुद्दे पर चर्चा की और इस मुद्दे पर उनके सहयोग की अपील करते हुए कहा कि मीडिया बदलाव का एक सशक्त माध्यम है और आपसी सहयोग से बाल विवाह को समाप्त किया जा सकता है। इस मौक़े पर अर्ली मैरिज,राँची के नाम से एक ग्रुप भी बनाया गया जो बाल विवाह के मुद्दे जुड़ी प्रमुख समस्याओं को उठायेगा जैसे स्कूलों में टॉयलट की व्यवस्था और उनकी साफ़-सफ़ाई और उपयोग,सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर,टीचरों की संख्या,लड़कियों से संबंधित सरकारी योजनाएँ ,बजट,उनकी वास्तविक स्थिति क्या है? उन्होंने कहा कि बाल विवाह के मुद्दे पर आप अपनी खोजी रपटों/ख़बरों से इस तरह के तमाम मुद्दों को उठा सकते हैं और बदलाव लाने में प्रेरक हो सकते हैं।
चर्चा की शुरूआत करते हुए सीनियर मैनेजर मीडिया एडवोकेसी विनीत त्रिपाठी ने कहा कि हमारे परिवारों में देखा गया कि घर में किसी भी मामले में निर्णय लेने का अधिकार पिता के पास होता है चाहे वो बेटी की शादी का मामला हो या या उसकी पढ़ाई का या उसे उच्च शिक्षा लेने के लिए बाहर भेजने,कैरियर चुनने का निर्णय हो हर मामले में निर्णय पिता ही लेता नज़र आता है।हमारे कैंपेन **रश्मी बनेगी मैट्रिक पास** की थीम भी यही है इस कैंपेन के माध्यम से हम चाहते हैं कि पिता आगे आकर अपनी बेटी की शिक्षा में मुख्य भूमिका निभाएँ और समुदाय भी इसमें उसका सहयोग करें। मीडिया यह माहौल बनाए में अपनी भूमिका तय कर सकता है।

इस मौक़े पर ब्रेकथ्रू ,झारखंड-बिहार के स्टेट हेड आलोक भारती ने बताया कि पिछले कई सालों से हम इस दिशा में काम कर रहे हैं,जिसके आधार पर हम इस बार रश्मि बनेगी मैट्रिक पास कैंपेन लेकर आ रहे हैं,उन्होंने बताया कि इसके पीछे हमारी स्टडी के आँकड़े है,जिसके मुताबिक़ एक लड़की के बाल विवाह से लेकर शिक्षा तक के निर्णय में पिता की भूमिका महत्वपूर्ण है।हम पिता को घर के मुखिया के साथ ही प्रेरक को रूप में भी देखते हैं।हमारे मिड लाइन सर्वे के मुताबिक़ भी बाल विवाह के मुद्दे पर पिता एक प्रमुख कड़ी के रूप में उभर कर सामने आया है।
ब्रेकथ्रू की मैनेजर,मॉनीटरिंग एंड इवूलेशन अमिता ने कहा कि सरकारी व विभिन्न स्वंयसेवी संस्थाओं के द्वारा किये गए शोध के आँकड़ों की प्रस्तुति के माध्यम से बताया कि जिस घर में पिता शिक्षित नहीं है या उनकी शिक्षा कम है इस घर की बेटियों भी शिक्षित नहीं है या थोड़ी-बहुत ही शिक्षा प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि हमें पिता की भूमिका को समझते हुए उन्हें अपनी बेटियों को पढ़ाने के लिए प्रेरित करना चाहिए जिससे हमारे बेटियाँ शिक्षित हों और बाल विवाह को रोका जा सके क्योंकि शिक्षित न होना भी बाल विवाह का एक महत्वपूर्ण कारण है।

इससे पहले कार्यक्रम की शुरूआत ब्रेकथ्रू (झारखंड–बिहार) की मैनेजर,स्टेट कोआर्डीनेशन, कविता ने मीडिया कर्मियों के स्वागत आपसी परिचय के साथ किया और बेक्रथ्रू के कार्यक्रमों के बारे में जानकारी साझा की,उन्होंने बताया कि ब्रेकथ्रू हमेशा से मीडिया को सामाजिक बदलाव लाने में एक प्रमुख स्टेक होल्डर के रूप में देखता है,मीडिया ने भी इस दिशा में बहुत ही महत्वपूर्ण काम किया है,जरूरत है आगे भी इस दिशा में सतत प्रयास जारी रहें।इस अवसर पर विभिन्न मीडिया समूहों के पत्रकारों के साथ ही ब्रेकथ्रू से संजय,ज्योति,अनीमा मौजूद रहे।

ब्रेकथ्रू के बारे में -

ब्रेकथ्रू एक मानवाधिकार संस्था है जो महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ होने वाली हिंसा और भेदभाव को समाप्त करने के लिए काम करती है।कला,मीडिया,लोकप्रिय संस्कृति और सामुदायिक भागेदारी से हम लोगों को एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं,जिसमें हर कोई सम्मान,समानता और न्याय के साथ रह सके।हम मल्टीमीडिया अभियानों के माध्यम से मानवाधिकार से जुडें मुद्दों को मुख्य धारा में ला रहे हैं।इसे देश भर के समुदाय और व्यक्तियों के लिए प्रासंगिक बना रहे हैं।इसके साथ ही हम युवाओं,सरकारी अधिकारियों और सामुदायिक समूहों को प्रशिक्षण भी देते हैं,जिससे एक नई ब्रेकथ्रू जेनरेशन सामने आए जो अपने आस-पास की दुनिया में बदलाव ला सके।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें–

विनीत त्रिपाठी,
भारती,
ब्रेकथ्रू,
9792267809
9431334685

आलोक
ब्रेकथ्रू